

# विस्तृत प्रतिवेदन वन महोत्सव कार्यक्रम

दिनांक : 05.07.2021, 07.07.2021, 09.07.2021 एवं 12.07.2021

**वन महोत्सव 2021**

**Event I : Open to all**  
Open to all age groups for participation.  
Plant a sapling and send your selfie with the plant to [extensionifpranchi@gmail.com](mailto:extensionifpranchi@gmail.com) along with the Name, Age and Contact Details latest by 08.07.2021. E-certificate will be issued to all the participants.  
“सभी उम्र समूहों के लिए एक पौध लगायें ई- प्रमाण पत्र पायें”

**Event II : For the Institute**  
Date: 5<sup>th</sup> July, 2021  
FRC, Mandar  
Date: 7<sup>th</sup> July, 2021  
Lohardaga  
Date: 9<sup>th</sup> July, 2021  
N.B. Farm, Chandwa

**पेड़ लगाओ  
धरती बचाओ**

Note: All instruction of Covid-19 is to be followed

**वन उत्पादकता संस्थान, रांची**  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)  
(वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन संशोधन, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)  
एन.एच.-23, गुमना रोड, सालगुटवा, रांची- 836303 (झारखण्ड)



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





## आयोजन - क

### विभिन्न आयु समूह द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम

वन महोत्सव के अवसर पर संस्थान द्वारा सभी आयु समूहों के लोगों के एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत एक पौधा लगाकर उसकी तस्वीरें भेजे तथा संस्थान द्वारा ई-प्रमाण पाए। इस अवसर पर सुदूर क्षेत्रों के लगभग 12 अधिकारी, ग्रामीण एवं बच्चों द्वारा पौधरोपण कर अपनी-अपनी चित्र प्रस्तुत किया गया।



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





डा. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, व.उ.सं., रांची

प्रथम आयोजन के अंतर्गत संस्थान के निदेशक द्वारा परिसर में स्व रोपित पौध के साथ चित्र



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





रुनम कुमारी, व.उ.स. रांची



लक्ष्मी कुमार साहू, कुजु, रामगढ़



श्री अतनु सरकार, व.उ.स.रांची



श्रीमती एराम, व.उ.स.रांची

प्रथम आयोजन के अंतर्गत संस्थान परिसर में स्व रोपित पौध के साथ चित्र

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





इलीस कुमार द्वारा मांडर प्रक्षेत्र में पौध रोपण



लिभीस कुमार द्वारा मांडर प्रक्षेत्र में पौध रोपण

प्रथम आयोजन के अंतर्गत मांडर प्रक्षेत्र में स्व रोपित पौध के साथ चित्र



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





अविनाश विश्वकर्मा, सुकना, पश्चिम बंगाल



श्री पी.सी.लकड़ा, प.अ.केंद्र, सुकना, पश्चिम बंगाल



आद्विक अंश एवं आहाना अंशिका, भुवनेश्वर  
प्रथम आयोजन के अंतर्गत अपने प्रक्षेत्र में स्व रोपित पौध के साथ चित्र



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





अवधेश नारायण तिवारी, ओरमांझी



मि. गजब

प्रथम आयोजन के अंतर्गत अपने प्रक्षेत्र में स्व रोपित पौध के साथ चित्र

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



**आयोजन - ख**  
**वन महोत्सव के अंतर्गत मांडर प्रक्षेत्र में पौधरोपण**

**प्रथम दिवस (05.07.2021):**

**1. वन अनुसंधान केंद्र मांडर में आयोजित कार्यक्रम (05.07.2021):**

भारत सरकार द्वारा निर्धारित एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशित वन महोत्सव के अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी के सक्रिय पहल एवं डा. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक (अनुसंधान) के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा दिनांक 05.07.2021 को मांडर प्रक्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मांडर प्रक्षेत्र में संस्थान के निदेशक ने अपने सम्बोधन में वन महोत्सव कार्यक्रम की आवश्यकता पर चर्चा की तथा पर्यावरण एवं इससे फैलते विकृति पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई, खदान, उद्योग व पृथ्वी पर बढ़ते वाहनो की संख्या, वायु और मृदा प्रदूषण को माध्यम बताया एवं ह्रास की भरपाई हेतु विभिन्न उपायों को बताया। इन्होंने बताया कि वानिकी के अलावा कार्बन उत्सर्जन को कम करने का कोई कारगर उपाय नहीं है, अतः अधिक से अधिक पौध रोपण कर वनो के क्षेत्र को विकसित किया जाना चाहिए जिससे पर्यावरण प्रदुषण की अशुधता में कमी आयेगी एवं जंगली जीव-जंतु भी सुरक्षित रहेंगे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक, डा. शरद तिवारी वैज्ञानिक, डा. आदित्य कुमार एवं संस्थान के अन्य वैज्ञानिको, तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मांडर प्रक्षेत्र में बांस के 28 प्रजातियों के लगभग 50 बांस पौध का रोपण किया गया।





मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक द्वारा बांस पौध रोपण



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)  
e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





मांडर प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के बांस पौध रोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



## आयोजन - (ख)

वन महोत्सव के अंतर्गत वन अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, जदुआ प्रक्षेत्र में पौधरोपण

2. वन अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, जदुआ, हाजीपुर, बिहार (05.07.2021) :

इस अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची के जदुआ स्थित केंद्र पर भी वन महोत्सव आयोजित किया गया एवं विभिन्न प्रजाति के पौध रोपण किया गया।



वन अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र हाजीपुर, बिहार में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम की झलकिया



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





## आयोजन – (ख)

### वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत लोहरदगा प्रक्षेत्र में पौधरोपण

द्वितीय दिवस (07.07.2021):

1. वन उत्पादकता संस्थान द्वारा लोहरदगा परियोजना प्रायोगिक प्रक्षेत्र :

वन उत्पादकता संस्थान, रांची, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वनरोपण प्रोत्साहन द्वारा पर्यावरण सुधार हेतु आज दिनांक 07.07.2021 को वन महोत्सव दिवस, 2021 कार्यक्रम संपन्न हुआ। संस्थान के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में वन महोत्सव कार्यक्रम की आवश्यकता पर चर्चा की तथा पर्यावरण एवं विभिन्न कारकों से इसमें फैलते विकृति पर विचार रखे। इस अवसर पर लोहरदगा के पतरा टोली में संस्थान के निदेशक, समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक, डा. शरद तिवारी, वैज्ञानिक, संजीव कुमार, एवं संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधकर्मियों तथा ग्रामीणों द्वारा लोहरदगा प्रक्षेत्र में परियोजना के अंतर्गत वन प्रजाति (मुख्यतः चिरोंजी एवं एसोसियेट प्रजाति के बहेरा, साल, महुआ, करंज) तथा चारा प्रजाति के बकैन, कचनार मोरिंगा के लगभग 90 पौधों का पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, जिसमें ग्रामीणों, महिलाएं, बच्चे, विध्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भाग लिया। संस्थान के निदेशक ने वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधकर्मियों तथा ग्रामीणों से आग्रह किया कि “पौध लगायें पृथ्वी बचायें”।



लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजाति का पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में महिलाओं एवं विद्यार्थी द्वारा पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजाति का पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजाति का पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजाति का पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजाति का पौधरोपण



लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव पर संस्थान के निदेशक का व्याख्यान



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



## आयोजन – (ख)

वन महोत्सव के अंतर्गत पर्यावरण अनुसंधान केंद्र (ERS), सुकना परिसर में पौधरोपण

### 2. पर्यावरण अनुसंधान केंद्र (ERS), सुकना, पश्चिम बंगाल (07.07.2021) :

इस अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची के सुकना स्थित कार्यालय परिसर एवं उदय सिंह जोत प्रायोगिक स्थल पर भी वन महोत्सव आयोजित किया गया जिसमें पर्यावरण अनुसंधान केंद्र (ERS), सुकना के प्रभारी, कर्मचारी एवं परिवार सदस्य द्वारा Malagiri (*Cinnamomum glaucescens*) प्रजाति के पौध का रोपण किया गया।



पर्यावरण अनुसंधान केंद्र, सुकना में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम की झलकिया

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)







पर्यावरण अनुसंधान केंद्र, सुकना में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम की झलकिया



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)

## आयोजन – (ख)

वन महोत्सव के अंतर्गत लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में पौधरोपण

तृतीय दिवस : लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र(09.07.2021):

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के सक्रिय नेतृत्व एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) के मार्गदर्शन में दिनांक 09.07.2021 को वन महोत्सव का आयोजन किया गया तथा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामिणों द्वारा लातेहार जिला के चंदवा प्रक्षेत्र में प्रोजनी ट्रायल के लिए चयनित काला शीशम एवं इक्युलिपट्स के लगभग 210 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर डा. नितिन कुलकर्णी ने उपस्थित समूह को सम्बोधित करते हुए वन-वर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने चंदवा जैसे औद्योगिक नगरी में कार्बनडायक्साइड की अधिकता का सामना करने के लिए प्रत्येक नागरिकों से एक पौधा लगाने का अनुरोध किया एवं आश्वासन दिया कि पौधा लगाते स्व-चित्र भेजने पर संस्थान द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वातावरण में कार्बनडायक्साइड की अधिकता को कम करने के लिए वनरोपण को एक मात्र उपाय बताया और कहा कि कार्बन सोखने की क्षमता सिर्फ वृक्षों में है। ग्लेसियर का पिघलना, समुंद्र तल का बढ़ना, ओजोन परत का ह्रास आदि भविष्य का खतरा बताते हुए वनरोपण कर अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने का आह्वान किया। अधिकारी द्वय ने वन विस्तार में संस्थान की भूमिका बताते हुए सरकार एवं विभिन्न अभिकरणों द्वारा किये जा रहे प्रयासों को विस्तार से बताया तथा चल रहे परियोजना से भी अवगत कराया गया। जंगली जीव जंतुओं एवं पारिस्थितिकी के सम्बंधों की चर्चा करते हुए मानव जाति के लिए उनकी उपस्थिति की अनिवार्यता को भी कार्यक्रम में विस्तार से समझाया। उन्होंने कोविड-19 के समय में लोगों में वन-वर्धन के प्रति जागरुकता लाने का भी आवाहन किया।



लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान  
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)



e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



लाह बीज फार्म, चंदवा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधरोपण



वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





लोहरदगा परियोजना प्रक्षेत्र में आयोजित वन महोत्सव पर संस्थान के निदेशक का व्याख्यान

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





## आयोजन – (ख)

वन महोत्सव के अंतर्गत तोरपा प्रखेत्र के कुटाम ग्राम में पौधरोपण  
चतुर्थ दिवस (12.07.2021) :

तोरपा प्रखेत्र के कुटाम ग्राम में पौधरोपण :

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 12.07.2021 को वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत खूंटी जिला के तोरपा प्रखंड के कुटाम ग्राम के सकुल संसाधन केंद्र तथा राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय, कुटाम परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, ग्रामीणों को पौधरोपण हेतु पपीता, सहजन, काला शीशम एवं मिलीया दुबिया के लगभग 200 पौधे वितरित कर रोपण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, समुह समन्वयक (अनुसंधान), वैज्ञानिक एवं कर्मचारी एवं अधिकारियों ने पौधरोपण किया।



कुटाम में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत निदेशक द्वारा पौधरोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)





कुटाम में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा पौधरोपण

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

e-mail – [dir\\_ifp@icfre.org](mailto:dir_ifp@icfre.org), [ifpranchi2018@gmail.com](mailto:ifpranchi2018@gmail.com)



कार्यक्रम की सफलता में संस्थान के विस्तार प्रभाग, सूचना तकनीकी प्रभाग, वन पारिस्थितिकी प्रभाग एवं वन वर्धन प्रभाग के प्रभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सराहनीय योगदान दिया।

## 28 प्रजातियों के 50 बांस के पौधे रोपे गए

पिस्तानगढ़ी | प्रतिनिधि

नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में वन महोत्सव दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान मांडर प्रक्षेत्र में बांस की 28 प्रजातियों के लगभग 50 बांस के पौधे रोपे गए। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देश में कार्यक्रम हुआ। संस्थान के निदेशक, डॉ नितिन कुलकर्णी ने वन महोत्सव कार्यक्रम की आवश्यकता पर चर्चा की।

उन्होंने पर्यावरण एवं इससे फैलती विकृति पर विचार रखा। उन्होंने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई, खदान, उद्योग और पृथ्वी पर बढ़ते वाहनों की संख्या से वायु और मृदा प्रदूषण में वृद्धि हो रही



नगड़ी के वन उत्पादकता अनुसंधान संस्थान में वन महोत्सव कार्यक्रम में बांस के पौधे लगाते संस्थान के वैज्ञानिक गण। • हिन्दुस्तान

है। वानिकी के अतिरिक्त कार्बन उत्सर्जन को कम करने का कोई कारगर उपाय नहीं है। इसलिए अधिक से अधिक पौधरोपण कर वनों को विकसित किया जाना चाहिए, इससे पर्यावरण का प्रदूषण कम होगा। संस्थान के निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ योगेश्वर मिश्र, वैज्ञानिक,

### जागरूकता

- लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में वन महोत्सव मनाया
- पौधरोपण कर वनों को विकसित करने का आह्वान

डॉ शरद तिवारी वैज्ञानिक, डॉ आदित्य कुमार एवं संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे रोपे।

संस्थान के निदेशक ने कर्मचारियों और ग्रामीणों से आग्रह किया कि एक पौधे लगाएं और तस्वीर के साथ प्रेषित करें तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग, वन वर्धन प्रभाग परिस्थिति प्रभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हिंदुस्तान-07.07.2021

भाग का दिन 1859 में किंग चार्ल्स एक्सवी और चतुर्थ स्वीडन-नॉर्वे के सिंहासन पर सहमत हुए थे।

लोहरदगा

## पौधरोपण कर वन क्षेत्र को विकसित करना जरूरी : डॉ कुलकर्णी

लोहरदगा | संवाददाता

वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के हाथ सात जुलाई को लोहरदगा की उपनगरीय क्षेत्र पतसटोली में वन और पर्यावरण मंत्रालय के लिए वन महोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मौके पर संस्थान के निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ योगेश्वर मिश्र, वैज्ञानिक डॉ शरद तिवारी, वैज्ञानिक, संजीव कुमार, संस्थान के अन्य वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, कर्मचारियों, गोपकर्मीयों और ग्रामीणों हाथ लोहरदगा प्रक्षेत्र में परियोजना के अंतर्गत वन प्रजाति मुख्यतः चिंगेजी व एसोसियेट प्रजाति के बंदेय, साल, यहूआ, करंज व चाय प्रजाति के बकैन,



लोहरदगा के पतसटोली में बुधवार को वन महोत्सव के मौके पर मौजूद वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारी और अन्य लोग।

कचनार, मोरिंगा, के लगभग 90 पौधों का पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

संस्थान के निदेशक डॉ नितिन

कुलकर्णी ने कहा कि पर्यावरण य विभिन्न कारकों से इससे फैलते विकृति पर विचार रखें। वानिकी के अलावा कार्बन उत्सर्जन को कम करने का कोई



वन और जलवायु परिवर्तन विभाग की पहल पर बुधवार को लोहरदगा की उपनगरीय क्षेत्र पतसटोली में पौधरोपण करते अधिकारी और लोग।

कारगर उपाय नहीं है। अधिक से अधिक पौधरोपण कर वनों के क्षेत्र को विकसित किया जाना चाहिए। जिसमें ग्रामीणों व कर्मचारियों ने सक्रिय भाग लिया। उन्होंने

आग्रह किया कि पौधा लगाते पृथ्वी बचाव। वन महोत्सव कार्यक्रम के मौके पर पूर्णन्द भूषण, चंद भूषण, कोस्तुभ मिश्र, किसलय मिश्र आदि मौजूद थे।

हिंदुस्तान, लोहरदगा-08.07.2021

# जन कल्याण के लिए करें पौधारोपण

संवाद सूत्र, चंदवा (लातेहार) : पौधारोपण और संरक्षण जन कल्याण का बड़ा माध्यम है। इससे खुद के साथ लोक कल्याण भी होता है। एक व्यक्ति द्वारा किए गए पौधारोपण का लाभ उसके और परिवार के साथ सभी लोगों को मिलता है। इसके लिए आवश्यक है कि सभी लोग पौधारोपण और संरक्षण के लिए सार्थक पहल करें। उक्त बातें लाह बगान परिसर में भारत सरकार द्वारा निर्धारित एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के आह्वान पर लाह बगान परिसर में वन मंहोत्सव में पौधारोपण करते वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने कहीं। ऑक्सीजन उत्पादन के लिए पौधारोपण और संरक्षण के प्रति दैनिक जागरण द्वारा किए जा रहे पहल की सराहना की। कहा कि निश्चित ही इसका असर पर्यावरण संरक्षण और ऑक्सीजन उत्पादन में मिलेगा। कहा कि कोविड-19 में ऑक्सीजन की महता लोगों को समझ में आई है। जिला परिषद् सदस्य अनिता देवी ने कहा कि पेड़-पौधे बचेंगे तभी जीवन बचेगा और जीवों का अस्तित्व कायम रह जाएगा।

इसके लिए आवश्यक है कि सभी नागरिक पौधारोपण कर उसका संरक्षण करें। रामयश पाठक ने कहा कि विकास के नाम पर तीव्र गति से वनों को काटे जाने का दुष्परिणाम मानव जीवन में देखने को मिल रहा है। कभी अनावृष्टि तो अतिवृष्टि के कारण कृषि उत्पादन पर असर पड़ रहा है। पर्यावरण अस्तुलित हो गया है। कार्यक्रम प्रभारी आदित्य कुमार ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधारोपण के साथ पुत्र की तरह देखभाल करने के लिए लोगों को



वन महोत्सव के दौरान पौधारोपण करते लोग • जागरण

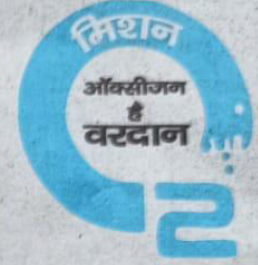
## अभावपि ने स्थापना दिवस पर किया पौधारोपण

संवाद सूत्र, बरवाडीह (लातेहार) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 73वां स्थापना दिवस पर नगर इकाई बरवाडीह द्वारा नगर इकाई सह नगर मंत्री पुनीत सिंह के नेतृत्व राजकीय टेन प्लस टू उच्च विद्यालय बरवाडीह के साथ थाना परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। वहीं मौके पर कुमार नवनीत ने कहा कि एक वृक्ष जितनी ऑक्सीजन अपने पूरे जीवन में देता है वह कई व्यक्तियों को जीवन दे सकता है। वृक्ष लगाने के साथ उनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है वहीं पर उपस्थित प्रधानाध्यापक प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व के सबसे बड़े संगठन विद्यार्थी परिषद ने आज यह स्थापना दिवस पर कॉलेज परिसर के प्रांगण के में पौधारोपण का

प्रेरित किया। वन महोत्सव कार्यक्रम का संचालन कर रहे विष्णुदेव पंडित ने कहा कि वृक्ष वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लड़कर समस्त जीवों को स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं। मानसून चक्र को संयमित करने,

कार्यक्रम किया है बहुत ही सराहनीय है साथ ही कहा कि प्रकृति ने हमें कई प्रकार के वृक्ष और जड़ी बूटियां दी हैं, जो हमें प्राण वायु के रूप में ऑक्सीजन देते हैं। प्रकृति के रूप में वृक्ष हमारा पालन-पोषण व स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हम अनायास ही वृक्षों पर कुल्हाड़ी चलाकर अपने जीवन पर ही प्रहार कर रहे हैं। और हम विद्यार्थी परिषद के सभी छात्रों का उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। सभी छात्रों से अपील करता हूँ कि आप सब भी एक एक पौधा जरूर लगाएँ ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे। मौके पर शिक्षिका सुनीता खलको सागर कुमार वर्मा, नवनीत कुमार, पुनीत सिंह, सुनील गुप्ता, सुनील कुमार, समेत कई लोग उपस्थित थे।

मृदाक्षरण पर रोक लगाने, भूमिगत जल का स्तर बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। प्रत्येक इंसान को अपने जीवन में यथासंभव पौधारोपण कर उसका संरक्षण करने के साथ घर के आसपास खाली जगह पर अथवा



## महुआडांड में फलदार पौधा लगाया गया

संवाद सूत्र, महुआडांड (लातेहार) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महुआडांड के कार्यकर्ताओं ने अभावपि के 73 वें स्थापना दिवस व राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर फलदार वृक्ष लगाया। जिला सोशल मीडिया प्रमुख उज्ज्वल धनुष ने कहा कि स्वच्छ वातावरण हमारे लिए बहुत जरूरी है। हम प्रकृति की गोद में रहते हैं इसलिए हमारी भी प्रकृति के लिए कुछ जिम्मेवारी बनती है। जिसे हम सब को मिलकर पूरा करना चाहिए। भूषण जायसवाल ने बताया कि आज के इस प्रदूषित वातावरण में वृक्षारोपण अति आवश्यक है। संतोष साहू ने कहा कि हमें पर्यावरण को हरा भरा रखने व वायुमंडल को शुद्ध रखने हेतु भागदौड़ भरी जिदगी से थोड़ा समय निकाल कर हमें पौधारोपण करना चाहिए।

खेतों की मेड़ पर पौधारोपण करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। मौके पर अंशुमन दास, डा. शंभुनाथ मिश्रा सचिददानंद वैद्य, विकास कुमार शिवम साहू, पीतांबर समेत अन्य मौजूद थे।

## पर्यावरण संरक्षण में सभी का साथ जरूरी : निदेशक

चंदवा. भारत सरकार द्वारा निर्धारित भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद के आह्वान पर स्थानीय लाह बगान परिसर में शुक्रवार को वन महोत्सव के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि कोविड महामारी काल में ऑक्सीजन की महत्ता से लोग अवगत हुए हैं. इसके लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है. जिला परिषद सदस्य अनिता देवी व रामयश पाठक ने कहा कि पेड़ों के काटे जाने के कारण पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है. जरूरत है कि उनका संरक्षण किया जाये. वन महोत्सव कार्यक्रम का संचालन कर रहे बीडी पंडित ने भी उपस्थित तमाम लोगों को पौधरोपण की महत्ता से अवगत कराया. कहा कि वन है, तो जीवन है. इसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है. दीपक भगत ने कहा कि पेड़-पौधे वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ कर समस्त जीवों को स्वच्छ वायु प्रदान करने में सक्षम है. श्री पंडित ने पौधों को संतान की तरह देखभाल करने के लिए प्रेरित किया. मौके पर डॉ शंभुनाथ मिश्रा, आदित्य कुमार, अंशुमन दास, एसएन वैद्य, विकास कुमार समेत अन्य मौजूद थे.

प्रभात खबर, 10.07.2021

## सुनहरे भविष्य के लिए लगाए पौधा : डा. नितिन कुलकर्णी

संसू तोरपा (खूंटी) : वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा तोरपा प्रखंड के कुटाम में वन महोत्सव मनाया गया। भारत सरकार द्वारा निर्धारित एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के नेतृत्व में सोमवार को कुटाम स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर संस्थान की ओर से तोरपा को प्रदर्शन ग्राम घोषित किया



कार्यक्रम में डा. नितिन कुलकर्णी व अन्य

गया। इस दौरान संस्थान द्वारा उपस्थित किसानों को कृषि के साथ-साथ लकड़ी, लाह, बांस आदि अन्य उत्पादन से आय में वृद्धि कैसे हो इसके बारे में बताया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वन संवर्धन के लिए प्रत्येक किसान को आगे आना होगा। मौके पर एसएन वैद्य, सूरज कुमार, शंभू नाथ मिश्रा सहित कई उपस्थित थे।